PHKM-B-HND

हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

2024

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा हिन्दी में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed in **HINDI**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर स्वयं की भाषा में लिखिए) :**

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : *10×5=50*

(a) बिरह अगिनि तनु तूल समीरा ।
स्वास जरइ छन माहिं सरीरा ।।
नयन स्रवहिं जलु निज हित लागी ।
जरैं न पाव देह बिरहागी ।। *10*

(b) हा दैव ! अब वे दिन कहाँ हैं और वे रातें कहाँ ?
हैं काल की घातें कि कल की आज हैं बातें कहाँ ?
क्या थे तथा अब क्या हुए हम, जानता बस काल है;
भगवान् जाने, काल की कैसी निराली चाल है ! ।। *10*

(c) महानृत्य का विषम सम, अरी
अखिल स्पंदनों की तू माप,
तेरी ही विभूति बनती है
सृष्टि सदा होकर अभिशाप । *10*

(d) अति-प्रफुल्लित कंटकित तन-मन वही
करता रहा अनुभव कि नभ ने भी
विनत हो मान ली है श्रेष्ठता उसकी ! ! *10*

(e) छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है । *10*

Q2. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर उनकी भक्ति-भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । *20*

(b) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' – इस अभिमत के परिप्रेक्ष्य में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए । *15*

(c) बिहारी के विरह-वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए । *15*

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

Q3. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) 'निराला' रचित 'राम की शक्ति पूजा' के शिल्प-विधान की समीक्षा कीजिए । 20

(b) 'असाध्य वीणा' के परिप्रेक्ष्य में 'अज्ञेय' के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए । 15

(c) नागार्जुन के काव्य-वैविध्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । 15

Q4. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) सूरदास के वाग्वैदग्ध्य की 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर समीक्षा कीजिए । 20

(b) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर 'दिनकर' की युग-चेतना पर प्रकाश डालिए । 15

(c) नागार्जुन रचित 'अकाल और उसके बाद' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । 15

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION B

Q5. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : *10×5=50*

(a) विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था, जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी । इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका दे कर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा । बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना-शक्ति आ गई थी । *10*

(b) वह संसार के सुख-दुःख अनुभव करता है । अनुभूति और विचार ही उसकी शक्ति है । उस अनुभूति का ही आदान-प्रदान वह देवी से कर सकता है । वह संसार के धूल-धूसरित मार्ग का पथिक है । उस मार्ग पर देवी के नारीत्व की कामना में वह अपना पुरुषत्व अर्पण करता है । वह आश्रय का आदान-प्रदान चाहता है । *10*

(c) नीलोत्पल ! नहीं-नहीं ! यह अँधेरा नहीं रहेगा । मानवता के पुजारियों की सम्मिलित वाणी गूँजती है – पवित्र वाणी ! उन्हें प्रकाश मिल गया है । तेजोमय ! क्षत-विक्षत पृथ्वी के घाव पर शीतल चंदन लेप रहा है । प्रेम और अहिंसा की साधना सफल हो चुकी है । फिर कैसा भय ! *10*

(d) आज तक वे भीतरी उबाल और बाहरी दबाव के बीच टुकड़े-टुकड़े हो कर हमेशा घुटने ही टेकते आए हैं । हर बार दिनेश को लड़ाई के मैदान में ले तो ज़रूर गए हैं, पर जैसे ही गोलियाँ चली हैं, उसे वहीं छोड़कर भाग आए हैं – अकेला, निहत्था । वह गोलियों की बौछार से लहूलुहान होता रहा है और ये ख़ुद एक असह्य अपराध-बोध से । *10*

(e) ... जैसे कहीं बहुत दूर बरफ़ की चोटियों से परिन्दों के झुंड नीचे अनजान देशों की ओर उड़े जा रहे हैं । इन दिनों अक्सर उसने अपने कमरे की खिड़की से उन्हें देखा है – धागे से बँधे चमकीले लट्टुओं की तरह वे एक लम्बी टेढ़ी-मेढ़ी क़तार में उड़े जाते हैं । *10*

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

Q6. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'आषाढ़ का एक दिन' के आधार पर मोहन राकेश की नाट्य-कला की समीक्षा कीजिए। *20*

(b) 'मैला आँचल' के आधार पर फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कथा-भाषा की समीक्षा कीजिए। *15*

(c) 'दिव्या' के आधार पर यशपाल की विचारधारा पर प्रकाश डालिए। *15*

Q7. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'गोदान' के कथा-विधान की समीक्षा कीजिए। *20*

(b) 'भारत-दुर्दशा' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। *15*

(c) 'स्कन्दगुप्त' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालिए। *15*

Q8. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'परिन्दे' कहानी के आधार पर निर्मल वर्मा की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए। *20*

(b) 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल की गद्य-शैली की समीक्षा कीजिए। *15*

(c) "राजेन्द्र यादव एक प्रयोगधर्मी कहानीकार हैं" – इस कथन की 'टूटना' कहानी के आधार पर तर्कसंगत दृष्टि से विचार कीजिए। *15*

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009